JET16-3-HI

जब दर्द हो तब परमेश्वर कहाँ होता है? प्रोग्राम 3

अनाऊंसर: आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, जीवन सरप्राइज से भरा होता है, एक दिन शायद अद्भुत हो और दुसरे दिन डॉक्टर आपको जिन्दगी खत्म करनेवाली बीमारी की खबर दे, एक्सीडेंट, प्राकृतिक विपदाए, अपराध, अपाहिज होना, जो पल भर में हमारे जीवन को बदल देगा, जब ऐसा होता है तो लोग पूछते हैं जब जीवन में इतना दर्द है तो परमेश्वर कहाँ है? ऐसे लोग सच्चे लोगों से जवाब पाना चाहते हैं, जिन्होंने उनके जितना या उनसे भी ज्यादा दू:ख सहा है, और आज आप ऐसे दो लोगों से सुनेंगे/

जॉनी इरिक्सन टाडा का 17 साल की उम्र डायविंग एक्सीडेंट में स्पाय्नल कार्ड टूट गई, जिससे ये क्वाटरप्लिजिक हुई, ये पिछले 50 साल से विहिल चेअर पर बैठी हैं, और उससे भी बढकर इन्हें ब्रेस्ट कैंसर हुआ, हरदिन बहुत दर्द सहती जाती हैं, डॉ. माइकल इसली मुड़ी बाइबल इंस्टीट्यूट के प्रेसिडेंट थे, इन्होने भयानक पीठ का दर्द महसूस करने पर रिजाईन किया, इनकी परेशनी से पीड़ादायक ऑपरेशन हुए, डॉक्टर ने इनकी सारी डिस्क निकाल दी और इनकी जान बचाने के लिए सारी हड्डियाँ इनकी स्पयनल कॉलम से जोड़ दी, अब ये लीड पास्टर हैं, फेलोशीप बाइबल चर्च, ब्रेंटवुड टेनसी में/ लेकिन हर दिन बहुत दर्द के साथ जी रहे हैं, ये दोनों जवाब देंगे आज के विषय पर कि जब जीवन में दर्द होता है तो परमेश्वर कहाँ हैं? हमारे साथ द जॉन एन्करबर्ग शो के इस विशेष प्रोग्राम में जुड़ जाए/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है, मैं हूं जॉन एन्करबर्ग, मेरे साथ जुड़ने के लिए धन्यवाद, हमारे दो विख्यात मेहमान हमारे साथ हैं, आपने ये सुना, डॉ. माइकल इसली और जॉनी इरिकसन टाडा, और हमारे पास

बहुत महत्वपूर्ण सवाल है, क्या ये परमेश्वर की इच्छा है कि उसके पास विश्वास से आनेवाले सब लोगों को चंगाई दे? यदि आप बीमार हैं, यदि आप अपाहिज हैं, यदि आप जीवन में कुछ और का सामना कर रहे हैं, और आप जानना चाहते हैं कि जवाब क्या हैं, और परमेश्वर आपके लिए क्या करेगा? बाइबल क्या कहती है? मैं आप से पूछना चाहता हूं जॉनी, क्योंकि आप विश्वास होने पर भी 50 साल से विहिल चेअर पर हैं, गरदन टूटने के कारण और फिर आपको ब्रेस्ट कैंसर हुआ, अब सैकरम बॉन में क्रैक के कारण आप हरदिन बहुत पीड़ा में है/ क्या आपने कभी प्रार्थना करके प्रभू से चंगाई मांगी?

जॉनी इरिकसन टाडा: ओ मेरे प्रभू, बहुत बार, मुझे याद है हॉस्पिटल में, जब मैं गरदन टूटने के बाद थी, मैं अपने दोस्तों से पूछती जो हॉस्पिटल में मुझ से मिलने के लिए आते थे, और वो बाइबल लाते थे, और कहते तुम क्या चाहती हो कि तुम्हारे लिए कौनसा वचन पढ़े? और मैं हमेशा उन्हें युहन्ना 5 से पढने के लिए कहती थी, आप जानते हैं ये परिचित वचन है, यरूशलेम में एक कुण्ड था जिसे बेतहसदा कहते हैं, वहां बहुत से अपाहिज लोग पड़े रहते थे, वहां एक मनुष्य था जो अड़तीस वर्ष से बीमारी में पड़ा था, यीशु ने ये जानकर कि वह बहुत दिनों से इस दशा में पड़ा है, उससे पूछा, क्या तू चंगा होना चाहता है? मैं उस चित्र में खुद को रखती थी, विजिटिंग अवर्स खत्म होने पर जब लाईट बन्द होती थी, नर्स ऑफ़ ड्यूटी होती थी, मेरे रूममेट सो जाते थे, मैं खुद को बेतहसदा के कुण्ड के पास सोचती, सोचती कि शायद घास के गट्ठे पर पड़ी हूं, दुसरे अपाहिज मनुष्य के बाजू में, बिनती, आशा और प्रार्थना करते हुए, निवेदन करती कि यीशु मुझे छोडकर न जाए, कि वो मुझे चंगाई दे, कि वो मुझे छू ले/

लेकिन लगभग 2 साल तक मैं हॉस्पिटल में थी, एक साल तक मैं जेरीआर्टिक वार्ड में थी, स्टेट इंस्टिट्यूशन में, मेरे हाथ और पैर कभी संदेश नही पाते, मैं कभी नही चली, और मैं हॉस्पिटल से बहुत निराश होकर निकली, लेकिन जब मैं अपनी बहन जे के मैरीलैंड फार्म में गई, एक दिन हम मसीही टीवी देख रहे थे, वहां एक इश्तेहार था विख्यात विश्वास के चंगाईदाता का, जो वाशिंगटन डी सी में आनेवाली थी, और ये न्योता था कि सब आकर चंगाई पाए, और मैं और मेरी बहन ने समय बर्बाद नही किया और अगली शुक्रवार शाम, हम उस पहले हीलिंग क्रुसेड में पहुंचे, और मैं ही भूलूंगी मैं बड़े बॉलरूम में विहिल चेआर पर लाइ गई, हिल्टन होटल में, उस शहर वाशिंगटन डी सी में,वो जगह भरी थी और अशर मुझे विहिल चेअर के सेक्शन में ले गए, मैं शायद 50-60 दुसरे लोगों के साथ बैठी जो सफेद छड़ी लिए थे, विहिल चेअर और वॉकर पर, और हम सब बहुत खुश थे/

फेथ हीलर मंच पर गाते हुए आई, उन पर स्पॉटलाईट था, संगीत बजाया गया और गवाहियाँ पढ़ी गई, वचन बताए और स्पॉट लाईट कमरे के कोने में चला गया, वहां ऐसे दिखा कि लोग सच में चंगाई पा रहे हैं, और फिर स्पॉट लाइट शिफ्ट हुआ, दुसरे कोने पर, और चंगाई दिखाई, और फिर शिफ्ट हुआ, और तालियाँ बजी, चंगाई की बहुत गवाहियाँ दी गई, अमिन मैं विहिल चेअर सेक्शन में हमारी ओर देखकर सोच रही थी, पवित्र आत्मा यहाँ पर आ जहाँ मुश्किल केसेस हैं, हमें भी चंगाई दे, लेकिन स्पॉट लाईट विहिल चेअर सेक्शन तक नही आया/

और लगभग डेढ़ या दो घंटे के बाद, अशर आए कि हम सबको जल्दी से निकालें, मैं सोचती हूं कि लिफ्ट में ट्राफिक जैम न हो, लेकिन वहां मैं 35 लोगों की लाइन में 15 वी थी, जो अपाहिज लोगों की निराश लाइन थी, लोग विहिल चेअर पर थे, सफेद छड़ी लिए चल रहे थे, वहां लिफ्ट में थे, और मैंने चुपचाप इस बड़ी लाइन को देखा, और सोचा, इस चित्र में कुछ गलत है, मतलब किस तरह का उद्धारक, किस तरह का चंगाईदाता, किस तरह का छुड़ानेवाला, बचानेवाला है, जो अपाहिज लोगों की चंगाई की प्रार्थना को नही सुन सकता है?

और इसके बजाए कि ये मुझे गहरी निराशा में लेकर जाए, इसने सच में ये मुझे परमेश्वर के वचन की में गहराई ले गया/ जैसे मैं, मैं समझना चाहती थी, ये परमेश्वर कौन है, जो पुरे वचन में ये दिखाता है, कि वो उसके पास विश्वास से आनेवाले लोगों की प्रार्थनाओं का जवाब देगा, याकूब की किताब, जो बीमार है वो प्राचीनों को बुलाए और वो तेल मलकर उसके लिए प्रार्थना करें, और धर्मीजन की प्रार्थना से जीवन में बहुत कुछ हो सकता है, दूसरी जगह जैसे युहन्ना अध्याय 15 वचन 7 में, जहाँ यीशु ने कहा, यदि मेरा वचन तुम में और तुम मुझ में बने रहो, तो मेरे नाम से कुछ भी मांगो तो वो तुम्हारे लिए हो जाएगा/ ये बातें तो पूरी तरह गैरंटी देते हैं कि परमेश्वर चंगाई देना चाहिए, लेकिन फिर भी मेरी उँगलियाँ और पैर संदेश नही पा रहे हैं, मैं अपने दोस्तों को बुलाकर कहती, अगली बार मुझे देखोगे तो मैं पैरों पर खड़ी मिलूंगी, क्योंकि मैं उन्हें और परमेश्वर को दिखाना चाहती थी, कि मुझ में संदेह नही है, विश्वास करती थी कि वो सच में मुझे चंगाई देगा, लेकिन उसने नही दी, और मैंने परमेश्वर के वचन में जो खोजा है उस में से थोडा भी कहना चौकानेवाला होगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, चलिए थिलोलोजिक्ली कुछ बातों को देखते हैं, जो वहां पर हैं, आपने अपनी किताब में कहा है, क्या परमेश्वर चंगाई दे सकता है? अवश्य ही प्रभू चंगाई दे सकता है और आपने यशायाह 59 से बताया/ वचन 1, यहोवा का हाथ ऐसा छोटा नही हो गया की उद्धार न कर सके, न वह ऐसा बहरा हो गया कि सुन न सके/ याने ये सवाल नही कि परमेश्वर चंगाई दे सकता है या नही, वो चंगाई दे सकता है, तो आप अगले

सवाल में आते हैं, क्या परमेश्वर 21 वी सदी में चंगाई देता है? और अवश्य ही वो देता है, और आपने बताया कि पुरे संसार में ऐसी कहानियाँ हैं/

जॉनी इरिकसन टाडा: जी, इब्रानियों की किताब में कहा है कि यीशु मसीह कल, आज और युगानयुग एक सा है/ और जब यीशु इस पृथ्वी पर था तब चंगाई दी, तो अब चंगाई क्यों नही देगा?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: माइकल, आपका एक पसन्दीदा वचन है, भजन 103, जहाँ ये कहता है हे मेरे मन यहोवा को धन्य कह, और उसके किसी उपकारों को न भूलना, फिर कहता है, जो तेरे सारे अधर्मों को क्षमा करता है, और तेरे सब रोगों को चंगा करता है, आप इससे क्या निष्कर्ष निकालते हैं/

डॉक्टर माईकल ईसली: जी, हम वचन से जानते हैं कि परमेश्वर ही हमें चंगाई देता है, उन्होंने मेरा ऑपरेशन किया, प्लेट लगाए, स्क्रू लगाए, वो कांटते हैं लेकिन परमेश्वर ने हमें चंगाई के लिए बनाया है, ये इतना सटीक नही कहता कि हम सब चंगे हो जाएगे, लेकिन हम मानते हैं कि जो चंगाई हम अनुभव करते हैं वो सच में प्रभू ने की है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, अब जॉनी, हम आप से पूछते हैं, ये सच्चा सवाल है कि परमेश्वर उन सब को चंगाई देगा जो उसके पास विश्वास से आते हैं, क्या ये हमेंशा होगा कि वो हमारी चंगाई की बिनती के लिए हमेंशा हाँ कहेगा, क्या ये निश्चित बात है कि अद्भुत चंगाई हमेशा उसका पहला और सबसे उत्तम पर्याय है? और समस्या ये है, कि कुछ लोग मसीही चर्च में सोचते हैं, और जोर देते हैं कि यदि आप चंगाई का अनुभव नही करते हैं, ये केवल इस लिए है कि आपमें जरूरी विश्वास की कमी है, या शायद आपके जीवन में कुछ छिपे हुए पाप हैं, अब इन्हें दुसरे वचन के साथ बताइए जो आपने देखे हैं/

जॉनी इरिकसन टाडा: जी, वचन का जो भाग मुझ से बहुत स्पष्ट बात करता है वो है मरकुस का सुसमाचार, ये पहला अध्याय है, यीशु कफरनहुम में था और वो दाहिने-बाए सब लोगों को चंगाई दे रहा था, सूर्यास्त होने तक, अंत में वो हटता है और लोग चले जाते हैं, लेकिन वो अगली सुबह जल्दी उठता है, और प्रार्थना के लिए दूर जगह पर जाता है, सूर्योदय के बाद लोग आते हैं, अपने साथ और भी बीमार और लूले, लंगड़े को लाते हैं, यीशु को ढूढ़ते हैं, शिमौन और उसके साथी यीशु को ढूढ़ते हैं, लेकिन उसे नही पाते हैं, अंत में जब उसे ढूढ़ लेते हैं तो उससे कहते हैं, यीशु सब लोग तुझे ढूढ़ रहे हैं, ये सब बीमार लोग, पहाड़ के नीचे हैं, और वो अपने चेलों से

वचन 38 में कहता है, ये चकित करता है, पहाड़ के नीचे के लोगों को देखे बिना ही वो कहता है, चलो और कही चले/ आस पास के गांवों में चलते हैं कि मैं वहां प्रचार करूं, अब इसे समझीए, मैं इसी लिए आया हूं/

जब मैंने इसे पढ़ा तो जाना कि ये इस बारे में नही है कि यीशु को पहाड़ के नीचे के लोगों की कोई परवाह नही थी, उनके कैंसर, और लकवे और बीमारी की, बस उनकी शारीरिक समस्या उसका मुख्य लक्ष्य नही था, सुसमाचार मुख्य लक्ष्य था, सुसमाचार कहता है, पाप मरता है, नरक असली है, लेकीन परमेश्वर दयालु है, उसका राज्य आपको बदल सकता है, मैं तुम्हारा पासपोर्ट हूं/ और जब भी लोग यीशु के पास आना चाहते थे, केवल अपनी समस्या ठीक करने के लिए, तो उद्धार हमेशा पीछे हट जाता था/

और मैं आगे देखा और जाना कि चंगाई के लिए यीशु की प्राथमिकता क्या थी, क्योंकि वही परमेश्वर-मनुष्य जिसने सूखे हाथों को चंगाई दी है, और अंधी आँखें खोल दी, ये वही यीशु ने जिसने कहा यदि तुम्हारे हाथ से पाप करते हो तो उसे कांट दो, यदि आँखें दूर ले जाए तो उसे नोच लो, मेरे प्रभू जब मैंने इसे पढ़ा तो मैंने यीशु की प्राथमिकता को देखा, और वो मेरे जीवन में गहरी चंगाई को देख रहा था, केवल उंगली और पैरों की शारीरिक चंगाई नही/ लेकिन मेरे दिल और प्राण में चंगाई/

धीरे धीरे मैंने मेरे लिए परमेश्वर की योजना को देखा कि ये मेरे पापों से मुझे बचाने के लिए है/ मेरी कठोरता और मजबूत इच्छा से, मेरे स्वार्थ से, और दू:ख वो साधन है जिसका वो उपयोग करता है, कि मुझे सिखाए कि मैं सच में कौन हूं, मैं जितना सोचती हूं उतनी सही नही हूं, लेकिन परमेश्वर दू:खों को आने देता है कि मुहे निचोड़े और दबाए और रस निकाल दे, दबाए, उससे ये सब असंतोंष और बुरी बातें बाहर आ जाए, ये सारी गलत बातें और जलन और कडवाहट और दूसरी बातें, ओ मेरे प्रभू मुझे उन बातों से चंगाई पानी है, आज़ाद होना है/ ये वो गहरी चंगाई है जिसके बारे में भजन 139 कहता है, हे परमेश्वर मुझे जांचकर जान ले, मुझे परखकर मेरी चिन्ताओं को जान ले/

जॉन, सच में जब लोग मेरे पास आते हैं, और कहते हैं, मन आपको चगाई के लिए प्रार्थना करना चाहता हूं, मैं कभी इनकार नही करती, मेरी चंगाई के लिए हमेशा लोगों की प्रार्थनाओं का स्वागत करती हूं, लेकिन अक्सर मैं कहती हूं कि इसके पहले कि आप शुरू करें, मैं आपको बताऊं, कि कैसे प्रार्थना करें, प्रार्थना कीजिए कि कल सुबह जब मैं उठू तो पूरी तरह हारी हुई न उठू, मैं असंतोष में उठना नही चाहती हूं, प्लीज़ मेरे लिए प्रार्थना कीजिए की स्पॉट लाईट से दूर रहूँ, और सच्चाई से बैर रखना बंद करूं, प्लीज़ प्रार्थना कीजिए कि मेरे पति को मेरी ओर से मैं कम परेशान करती जाऊं, प्रार्थना कीजिए कि जिन्हें सम्मान देना चाहिए उन्हें मैं सम्मान दे सकूं,

और अपने लिए न लूँ, मुझे इस सारी बातों से चंगाई चाहिए, और मैं इन बातों को जितना चंगी रहुँगी, उतनी कम महत्वपूर्ण और उतनी कम ही चलने की मेरी इच्छा होंगी/ मैंने जाना है कि जीवन में चलने से भी ज्यादा महत्वपूर्ण बातें हैं, और उन में से एक हैं कि दिल शुद्ध हो, और प्राण स्वर्ग में उद्धारक को प्रसन्न करनेवाला हो, वो गहरी चंगाई है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: माइकल मैं उन लोगों के बारे में बताना चाहता हूं जो मसीही सभाओं में गए, जहाँ उन्हें बताया गया कि उन में काफी विश्वास नही है, इसलिए प्रभू ने चंगाई नही दी, या उन में गुप्त छिपते हुए पाप होंगे, जिसका अंगीकार नही किया है, और इसी ने उन्हें दूर रखा है, और कुछ लोगों ने विश्वास छोड़ दिया है, और कुछ लोग पूरी तरह से हार गए, मैं बाइबल से कुछ वचन दिखाना चाहता हूं, आशा करता हूं कि ये उन्हें प्रोत्साहित करेगा और उन्हें प्रभू के पास वापस लाएगा/

चलिए इसे शुरू करने के लिए दो उदाहरण देता हूं, मेरे पिता घर में आए, जीवन भर कभी दर्द में नही थे, मिशन फील्ड से प्रचार कर वापस आए, संदेश देते, सभा करते, क्रुसेड करते थे, घर आए और चेक अप के लिए गए और डॉक्टर उनके बेटे याने मेरे पास आकर कहने लगे, आप के पिताजी केवल 30 दिन जीवित रहेंगे, जयादा से ज्यादा 90 दिनों तक, मैं सोचता हूं आपकी उन्हें ये बताना होगा, और उनके पुरे शरीर में ये बिमारी थी, मैंने उन्हें ये बताया, उनकी मदत की की वसीयत पूरी तरह तैयार कर ले, और सब किया, हमने पिताजी की चंगाई के लिए प्रार्थना की, और प्रभू ने उन्हें और 10 साल दिए, मेरे दोस्त, जो मेरी सेवकाई में यहाँ 25 साल तक को-ऑथर थे, शायद बिल्डिंग में सबसे ज्यादा विश्वास था, उन्हें कैंसर हुआ, तब पास्टर और डिकन एक साथ आए, हमने उनके लिए प्रार्थना की और उनके सिर पर तेल लगाया, मैंने निश्चित जाना कि परमेश्वर उन्हें चंगाई देगा, वो एक महीने में ही चल बसे, मेरी अपनी माँ, ए एल एस था, हमने प्रार्थना की कि परमेश्वर उन्हें चंगाई देगा, दो साल में ही वो चल बसी, एक को प्रभुने चंगाई दी, दो को नही दी/ अब बाइबल में कुछ वचन हैं, और मैं चाहता हूं कि उन वचनों पर चर्चा करें, आप जो चाहे चुन लीजिए/

डॉक्टर माईकल ईसली: अवश्य ही इस वचन पर हमने पौलुस के बारे में कईबार बात की है, उसके साथ जो कुछ भी हुआ, दूसरा कुरिन्थियों अध्याय 11 में, यहाँ वो शरीर के कांटे के बारे में कहता है, इसलिए कि मैं प्रकाशनों की बहुतायत से फूल न जाऊं, ये पौलुस दूसरा कुरिन्थियों 12:7 में कहता है, प्रकाशनों की बहुतायत के कारण, इसलिए कि मैं फूल न जाऊं, याने ये महत्वपूर्ण है कि मैं खुद को बढ़ाकर न बताऊ, पौलुस कहता हैं, मेरे

शरीर में एक काँटा चुभाय गया अर्थात शैतान का एक दूत कि मुझे घुसे मारे ताकि मैं फूल न जाऊं, इस के विषय मैंने प्रभू से तीन बार बिनती की कि मुझे यह दूर हो जाए, और उसने मुझ से कहा, मेरा अनुग्रह तुम्हारे लिए बहुत है, क्योंकि मेरी सामर्थ निर्बलता में सिद्ध होती है, फिर पौलुस बहुत ख़ुशी से कहता है, इसलिए मैं बड़े आनंद से अपनी निर्बलता पर घमंड करूंगा कि मसीह की सामर्थ मुझ पर छाया करती रहे/ याने यहाँ प्रेरितों के प्रेरित से महान चित्र मिलता है, याने जो भी परेशानी से गया, वो उनका सामना कर रहा था, परमेश्वर ने उसे दूर नही किया/

और हम नए नियम के दूसरे शहीदों को देख सकते हैं, स्तिफनुस जिसे पत्थरवाह कर मारा गया, उसने अद्भुत संदेश प्रचार किया, याकूब को क्रूरता से मारा गया, ये सब विश्वास के वीर हैं, और दुर्भाग्यवश, आप जानते हैं जॉन, अक्सर मैं सोचता हूं, जो लोग तंदुरुस्ती और धन के बारे में कहते हैं, मैं सोचता हूं कि परमेश्वर उन से क्या कहेगा, ये मुझे चौका देता है, क्योंकि जैसे हम मुख्य लोगों को अनदेखा करते हैं जैसे कि अय्यूब, पौलुस जैसे, याकूब जैसे, जैसे स्तिफनुस, ये कहना कि परमेश्वर हमेशा करेगा केवल काफी विश्वास हो, क्या पौलुस में काफी विश्वास नही था? पौलुस को परमेश्वर ने चुना था कि संसार में सुसमाचार प्रचार करें, और यहाँ इस परिस्थिति में परमेश्वर उसे चंगाई नही देता है/

चलिए मैं उस बात पर कहूँगा जिसे जॉनी ने पहले मरकुस 1 से कहा था, मुझे ये चौकाता है कि जब भी मसीह ने किसी को चंगाई दी है, ये तो आत्मिक दशा का शारीरिक चित्र था, ये केवल ये नही कि हमें दर्द और दू:खों से चंगाई चाहिए, या कैंसर से, ये शारीरिक चित्र हैं, कोई अँधा है, या आत्मिक अंधे हैं, बहरे हैं, या आत्मिक बहरे हैं, लंगड़े हैं, या आत्मिक लंगड़े हैं, याने सारे चमत्कार तो जो आतिम्क बीमारी है उसके शारीरिक प्रगटीकरण हैं, और वो हमें व्ही चंगाई देता है, केवल कुछ समय के संसार में नही/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, मैं सोचता हूं कि जॉनी, इन सब चंगाई की सभाओं में गई, हरएक पर भरोसा करती गई, यदि ये नही तो अगला होगा, यदि ये नही तो दूसरा होगा, पौलुस ने केवल एक बार नही माँगा, उसने केवल दो बार नही माँगा, ये तो सच में उसे परेशान कर रहा होगा/ उसने तीन बार माँगा, और उसका जवाब था, नही, मेरा अनुग्रह तुम्हारे लिए बहुत है, और उसने इसे स्वीकार किया, ये इसलिए नही कि उसके पास काफी विश्वास नही था, और इसलिए भी नही कि कुछ गुप्त पाप थे, ये परमेश्वर की इच्छा थी कि पौलुस को ये विरोध हो, ये हमारे मन में आना बहुत मुशकिल होता है माइकल, और फिर भी बाइबल यही तो कहती है, मैं सोचता हूं बड़ी ट्रोफीमस, ठीक है, वो नगर में बहुत बीमार थे, वो उनसे प्यार करते थे, उन में चंगाई की सामर्थ

थी, उन्होंने ट्रोफीमस के लिए प्रार्थना की होंगी, और बाइबल क्या कहती, वो उसे बीमार छोड़ गया, उसी नगर में, तो मैं कह रहा हूं कि लोगों से कहा गया होगा कि ये उनकी गलती हैं, नही शायद परमेश्वर ने कहा है, मैंने तुम्हें इसीलिए चुना है और मेरा अनुग्रह तुम्हारे लिए काफी है, जॉनी, आपको ये वचन बहुत पसंद है, जो कहता है कि प्रभू के मार्गों में प्रसन्न रहे, इस वचन के बारे में बताइए/

जॉनी इरिकसन टाडा: जी, भजन 37:4, यहोवा को अपने सुख का मूल जान और वो तेरे मनोरथों को पूरा करेगा/ ओ जॉन, इतने समय से मेरे दिल की इच्छा यही रही, मुझे मेरे पैरों पर खड़ा कर प्रभू, मेरे हाथ फिर से सही कर, इस दर्द को दूर कर, मतलब ये मेरे दिल की इच्छाए थी, और मैं प्रभू से बिनती करती थी कि इन बातों को दूर कर, लेकिन उसने नही किया, तो मैं और गहराई में गई, क्या कमी है, मुझे उसके वचन में यहाँ क्या देखना होगा? लेकिन जितना ज्यादा उसके वचन में गई, उतना ज्यादा परमेश्वर के दिल को देखा, और जब मैंने मसीह को क्रूस पर देखा, और उसे लटका हुआ देखा, उस लकड़ी पर कीलों से जड़ा देखा, वो मेरे साथ दया करता है, करुणा करता, जिज्ञासा और दू:ख के साथ में, मैं उससे फिर से प्यार करने लगती हूं/

और मैं जितना ज्यादा इस यीशु को जानती हूं, यीशु का ये पहलू, दू:खी मनुष्य जो मेरे दू:खों से पीड़ित हुआ, तो उसे उतना ज्यादा प्रेम करती हूं, उतन ही ज्यादा उसकी इच्छाएँ मेरी इच्छाएँ होती जाती हैं, और फिर मैं अपने पैरों पर खड़े होने के बारे में नही सोचती, लेकिन यीशु को प्रसन्न करना चाहती हूं, और वो किस से प्रसन्न होता है, वो इससे प्रसन्न होता है कि उसका सुसमाचार बढ़ेगा, उसका राज्य बढ़ते जाएगा, और दोष लगाने वाले और आरोप लगानेवाले लोगों के दिल में परमेश्वर के परिवार का झन्डा मजबूती से बना रहेगा, प्रभू इससे प्रसन्न होता है/

और जल्दी से बताउं, जॉन, परमेश्वर क्यों चंगाई नही देता है, मैं सोचती हूं कि जब हम चंगाई का अनुभव करते हैं, तो हम प्रभू को भूल जाते हैं, हमें उसकी जरूरत नही रहती, लेकिन जब हम दू:ख और दर्द में होते हैं, तो हम सुबह उठकर कहते हैं, परमेश्वर मुझे तेरी जरूरत है, और उसका दिल लोगों के लिए है, जो उसके पास अपने परेशानी में आकर कहते हैं, मैं इसे अपने आप नही कर सकता हूं, परमेश्वर प्लीज़ मेरी मदत कर, और शायद ये अच्छा कारण है कि वो शारीरिक चंगाई नही देता है, क्योंकि वो चाहता है जैसे मायकल ने कहा, हमारी आत्मिक आँखें खोलना चाहता है, हमारे भरे आत्मिक कान खोलना चाहता है, और हमारे कमजोर आत्मिक पैरों को नई दिशा में चलाने लगता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप से एक आखरी सवाल कि दो साल तक आप किसी से परमेश्वर के बारे में कुछ सुनना नही चाहती थी, बहुत से लोगों ने प्रार्थना करवाई और चंगाई नही पाई, और चर्च से चले गए, मुझे कुछ सलाह दीजिए इन लोगों के लिए जो अभी सुन रहे हैं/

जॉनी इरिकसन टाडा: जी, बाइबल कहती है कि हमें रोनेवालों के साथ रोना चाहिए, और यदि कोई आपके शोक को समझता है, आपकी निराशा की आपने चंगाई नही पाई है, वो आपका प्रभू परमेश्वर है, लेकिन आप खुश हो कि आपका उद्धारक इसी तरह से परखा गया और जांचा गया आपके जैसे ही हर तरह से/ और वो चाहता है कि आपके दिल में अपनी आशा रखे, उसका आनंद जो कभी टलता नही, शांति जो बनी रहती है, प्राण उसमे इतना स्थिर होता है कि कोई भी चंगाई कम होती है, कितना भी चलना हो, या हाथों का उपयोग करना हो, परमेश्वर इतना भला है, यीशु कल्पना से परे भला है, और उसका मित्र होना सच में लायक है, शारीरिक चंगाई का अनुभव नही किए तो भी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मैं यीशु के बारे में सोचता हूं कि बाग में उसने कहा, परमेश्वर क्या तू मुझे इससे बचा सकता है, और उत्तर था नही, और उसने परमेश्वर की इच्छा पूरी की और और हम सब धन्यवाद देते हैं/

जॉनी इरिकसन टाडा: बिलकुल/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, शारीरिक चंगाई से बढकर ऊँची बातें हैं, अगले हफ्ते मैं इन में से कुछ बातों पर चर्चा करूंगा, मैं इस विषय पर कहना चाहूँगा कि जो लोग बहुत बीमारी और परिस्थिति का सामना कहते हैं, जो कैसे जाने कि वो परमेश्वर के लिए महत्वपूर्ण है, कि उनके जीवन का अर्थ है, उनके दू:ख परमेश्वर के द्वारा अनदेखे नही किए जाएगे, और अनंत प्रतिफल लेकर आएगे, आपके पास अद्भुत कहानी है, आप दोनों के पास, आप तो मरने के लिए तैयार हैं, या आत्महत्या करने के लिए तैयार थे, क्योंकि इतना दर्द होता था, और आपने इस तरह से कहा कि परमेश्वर जीवन को अद्भुत तरीके से उपयोग कर सकता है, आप सुनिए और परमेश्वर इसका उपयोग करता है, ये महान जानकारी है दोस्तों आशा है कि आप जुड़ जाएगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यदृ ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2012 ऋन्न्ङक्ष्